

भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड चैंपियन



भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गई है। पहली बार किसी मेज़बान टीम ने टी-20 वर्ल्डकप जीता है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर (89 रन) बनाया। ईशान किशन ने 54 और अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाए। आखिर में शिवम दुबे ने 8 गेंद पर 26 रन बनाए। न्यूजीलैंड के जिमी नीशम को 3 विकेट मिले। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट व अक्षर पटेल ने 3 विकेट हासिल किए। जसप्रीत बुमराह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए “मैन ऑफ द मैच” व संजू सैमसन को “मैन ऑफ द सीरीज” चुना गया।

ऊर्जा भंडारों पर हमला कर अमेरिका- इज़रायल ने खतरनाक चरण शुरु किया- ईरान

ईरान का कहना है कि ईंधन भंडारों पर हमले से जहरीले पदार्थ व खतरनाक गैसों वातावरण में फैलेंगी

तेहरान/वॉशिंगटन, 10 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिका और इज़रायल पर उसके ऊर्जा ढाँचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान के ऊर्जा भंडारों और ईंधन डिपो पर हुए हवाई हमले युद्ध के खतरनाक नए चरण की शुरुआत को दर्शाते हैं।

बघाई ने कहा कि ईंधन भंडारों को निशाना बनाए जाने से जहरीले पदार्थ और खतरनाक गैसों वातावरण में फैल सकती हैं, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है। उनके अनुसार इस तरह के

■ अमेरिका ने कहा, यह हमला इज़रायल ने किया। इज़रायल ने कहा कि निशाना बनाये गए ईंधन डिपो का इस्तेमाल सैन्य अभियानों व बैलैस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में किया जा रहा था।

हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और इन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है। दूसरी ओर, इज़राइली सेना के प्रवक्ता नादव शोशानी ने कहा कि जिन ईंधन डिपो को निशाना बनाया गया, उनका इस्तेमाल ईरान के सैन्य अभियानों और बैलैस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा रहा था। इसलिए उन्हें वैध सैन्य लक्ष्य माना गया।

वहीं अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि वह ईरान के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाने की योजना नहीं बना रहा है। अमेरिका की ओर से ईरान के तेल या गैस उद्योग पर हमले की कोई योजना नहीं है और हाल के हमले इज़राइल द्वारा किए गए हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति के प्रोटोकाल उल्लंघन पर केन्द्र सरकार ने प.बंगाल से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 08 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे में प्रोटोकॉल फॉलो नहीं करने के मामले में केंद्र ने राज्य के मुख्य सचिव से रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह सचिव ने चार बातें बताई हैं। राष्ट्रपति को

■ केन्द्रीय गृह सचिव ने प.बंगाल के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा।

रिसीव करने और विदा करने के लिए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक क्यों मौजूद नहीं थे। राष्ट्रपति के लिए बनाए गए वॉशरूम में पानी नहीं था। प्रशासन ने जो रास्ता चुना था, वह कचरे से भरा था। दार्जिलिंग के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शंकराचार्य पर आरोप लगाने वाले आशुतोष महाराज पर हमला

प्रयागराज, 08 मार्च। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ कोर्ट में यौन उत्पीड़न का केस दाखिल करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज पर जानलेवा हमला होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने अपने ऊपर चलती ट्रेन में हमले का आरोप लगाया है। आरोप है कि रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से प्रयागराज जाते वक्त जानलेवा हमला किया गया, शिकायत प्रयागराज में राजकीय रेलवे पुलिस को की गई।

■ उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था।

आशुतोष महाराज की तहरीर पर प्रयागराज के जीआरपी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस इस पूरी घटना की जांच में जुट गई है।

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने आरोप लगाया है कि प्रयागराज आते समय उनपर फतेहपुर और कौशांबी जिले के सिराधु रेलवे स्टेशन के बीच हमला किया गया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया कि पांच बजे सुबह टॉयलेट जाते समय एक युवक ने उनके ऊपर हमला बोल दिया। किसी तरह आशुतोष (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल ने बेरुत पर मिसाइलें दागीं, लेबनान काॅर्प्स के चार कमांडर मारे गए

लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार यह हमला बेरुत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र के एक होटल पर हुआ

तेहरान/बेरूत/ तेल अवीव/वाशिंगटन, 08 मार्च। अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच जंग के नौवें दिन तक युद्ध की लपटें फारस के खाड़ी देशों तक पहुंच चुकी हैं। इज़राइल ने लेबनान में इस्लामिक रिवाॅल्यूशनरी गार्ड काॅर्प्स (आईआरजीसी) के कुदुस फोर्स के लेबनान काॅर्प्स के कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है।

सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जंग में अमेरिका और इज़राइल के सैन्य अभियान में ईरान को अब तक सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों समेत आला सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। युद्ध की लपटों से फारस की खाड़ी के देश झुलस रहे हैं। अमेरिका के भी छह सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी

■ इज़रायल डिफेंस फोर्सेंज ने कहा कि ईरान में हमलों की नई लहर शुरू की गई है. इसमें ईरान सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया गया है।

है। इज़राइल डिफेंस फोर्सेंज (आईडीएफ) ने आज सुबह कहा कि ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू की गई है। सेना ने ईरानी सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया है। आईडीएफ के उसके हमले के बाद ईरान से इज़राइल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। देश की रक्षा प्रणाली (बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच) इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही है।

आईडीएफ ने कहा कि ईरान पर हमले से कुछ देर पहले बेरूत में इस्लामिक रिवाॅल्यूशनरी गार्ड काॅर्प्स (आईआरजीसी) के कुदुस फोर्स के लेबनान काॅर्प्स के कमांडरों को निशाना

बनाकर मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में चार कमांडर मारे गए।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला बेरूत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में एक होटल पर हुआ। हमले में चार लोग मारे गए। मंत्रालय ने बयान में यह साफ नहीं किया कि मारे गए लोगों में कमांडर हैं या अन्य लोग।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के शीर्ष रक्षा अधिकारी अली लारीजानी की घमकी की परवाह नहीं करते। लारीजानी लंबे समय तक खामेनेई के भरोसेमंद रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि लारीजानी को मालूम होना चाहिए कि खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान पहले ही हार चुका है। ईरान

ईरान ने नया सुप्रीम लीडर चुना, औपचारिक घोषणा शीघ्र होगी

चर्चा है कि खामेनेई का पुत्र यह पद सम्भालेगा, पूर्व में अमेरिका व इज़रायल ने इस नाम पर आपत्ति जताई थी

■ ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने बहुमत से नये लीडर का चयन किया है तथा इसमें कोई अस्पष्टता नहीं है।

है। फिलहाल, नए सुप्रीम लीडर के नाम की आधिकारिक घोषणा बाकी है, और इसके जल्द सामने आने की संभावना है। दूसरे सदस्यों ने इस फैसले को कन्फर्म किया है। एक ने कहा है कि मारे गए सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बेटे यह पद संभालेंगे। मौजतबा खामेनेई को उनके पिता का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यह पद ईरान में सबसे बड़ा राजनीतिक और धार्मिक अधिकार है और देश के सभी मामलों में आखिरी फैसला इसी का होता है।

4 मार्च को जब मौजतबा का नाम सामने आया तो अमेरिका और इज़रायल ने आपत्ति जताई थी। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि अगला लीडर चुनने में उनकी भूमिका होनी चाहिए और उन्होंने मौजतबा को खारिज करते हुए उन्हें

लाइटवेट कैडिडेट करार दिया था। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने इस बात को साफ तौर पर खारिज कर दिया है कि उत्तराधिकारी चुनने में ट्रंप की कोई भूमिका होगी।

इज़रायल ने तो यहां तक कहा कि वो खामेनेई के हर वारिस का अंजाम उनके जैसा ही करेगा। एक्स पर फारसी में एक पोस्ट की, जिसमें इज़रायली सेना ने चेतावनी दी कि वह हर उस व्यक्ति को भी नहीं छोड़ेगी जो अयातुल्ला अली खामेनेई का वारिस नियुक्त करना चाहता है। आईडीएफ की पोस्ट में लिखा है, "तानाशाह खामेनेई को बेअसर करने के बाद, ईरान का आतंकवादी शासन खुद को फिर से बनाने और एक नया लीडर चुनने की कोशिश कर रहा है।" सेना ने चेतावनी दी, "हम वारिस चुनने की मीटिंग में हिस्सा लेने वालों को चेतावनी देते हैं कि हम आपको भी निशाना बनाने में नहीं हिचकिचाएंगे।"

यूजीसी नियमों के विरोध में हजारों सवर्णों ने प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 08 मार्च। यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की।

युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा

■ बड़े नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा जंतर-मंतर व रामलीला मैदान पहुंचे।

करे। युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई। सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद भी हजारों प्रदर्शनकारी रामलीला मैदान पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

संसद सत्र का दूसरा चरण आज से

नई दिल्ली, 08 मार्च। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव

■ भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी व्हिप जारी किया।

(नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है।

पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा है राष्ट्रीय राजधानी का विकास - मोदी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली की 33,500 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

नई दिल्ली, 08 मार्च (हि.सं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं है बल्कि पूरे देश की छवि और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। राजधानी जितनी आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर कनेक्टिविटी वाली होगी, उतना ही भारत का आत्मविश्वास और वैश्विक पहचान मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से दिल्ली के बुनियादी ढाँचे को मजबूती मिलेगी, यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों के

जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली को आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, परिवहन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और आवासीय ढाँचे के विकास के माध्यम से राजधानी को नई दिशा दी जा रही है। आज जिन परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, उनमें दिल्ली मेट्रो के नए कॉरिडोर, मेट्रो विस्तार योजनाएं तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसरों का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से राजधानी में कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा लाखों लोगों को रोजमर्रा के जीवन में बड़ी सुविधा

■ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज प्रारंभ की गई परियोजनाएं दिल्ली मेट्रो के नए कॉरिडोर व विस्तार तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवास से जुड़ी हैं।

■ प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पूर्वी व उत्तर पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले से अधिक आसान हो जायेगा।

मिलेगी। विशेष रूप से पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों-गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम से दिल्ली के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना अधिक सुविधाजनक बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से

विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में बुनियादी ढाँचे के विकास को नई गति मिली है और कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले दिल्ली के लोगों ने नई उम्मीद और संकल्प के साथ डबल इंजन की सरकार बनाई थी और उसके परिणाम आज विकास कार्यों के रूप में दिखाई दे

रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नारी शक्ति आज हर क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, खेल और समाज सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व लगातार मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के निर्माण से लाखों वाहन अब शहर में प्रवेश किए बिना ही अपने गंतव्य तक पहुंच पा रहे हैं, जिससे राजधानी में दैनिक का दबाव कम हुआ है।

प्रधानमंत्री ने यमुना नदी के पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे

अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि यमुना को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने के लिए बड़े पैमाने पर परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इस दिशा में करोड़ों रुपये के कार्य पहले ही शुरू किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में कई आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना लागू होने से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को मुफ्त उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम से पहले उन्होंने सरोजिनी नगर में सरकारी कर्मचारियों के लिए बनाए गए आधुनिक आवासीय परिसरों का दौरा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

भारत का युवा: अवसर की खिड़की या बेचैनी का विस्फोट?

भारत को अक्सर दुनिया का सबसे युवा देश कहा जाता है। यह वाक्य हमारे सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे मंत्र की तरह दोहराया जाता है मानो इससे अपने आप हमारा भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन केवल युवा आबादी होना किसी देश की सफलता की गारंटी नहीं होता। इतिहास में ऐसे कई समाज हुए हैं जिनके पास युवा ऊर्जा तो बहुत थी, पर दिशा नहीं थी-और तब वही ऊर्जा बेचैनी और असंतोष में बदल गई।

आज भारत भी लगभग उसी दोराहे पर खड़ा दिखाई देता है।

भारत की लगभग पैसंद प्रतिशत आबादीपैसीसंवर्ष से कम आयु की है और लगभग पचास प्रतिशत आबादी पच्चीस वर्ष से कम आयु की है। यह भी कि भारत में कामकाजी आबादी 2०44 तक बढ़ती रहेगी। अर्थशास्त्री इसे डेमोग्राफिकडिविडेंड यानी जनसांख्यिकीय लाभांश कहते हैं। सरल शब्दों में इसका अर्थ यह है कि यदि बड़ी संख्या में युवा काम करने की स्थिति में हों, तो वे किसी भी अर्थव्यवस्था को तीव्र गति से आगे बढ़ा सकते हैं। लेकिन गौर तलब बात यह है कि यह लाभांश किसी बैंक खाते की तरह अपने आप नहीं मिलता। उसके लिए शिक्षा, कौशल और रोजगार की ऐसी व्यवस्था चाहिए होती है जो इस ऊर्जा को उत्पादक शक्ति में बदल सके। उल्लेखनीय है कि हम हर साल सात-आठ मिलियन नए रोजगार सृजित करेंगे तभी हमारी युवा आबादी बरोजगार होगी। यहीं यह भी याद कर लिया जाए कि वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में 15-29 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी की दर 13.8 प्रतिशत है। अंतरराष्ट्रीय अनुमान यह दर 16 प्रतिशत बताते हैं।

यहीं से भारत की कहानी थोड़ी जटिल हो जाती है। देखा जाना चाहिए कि क्या हम इतनी बड़ी आबादी को रोजगार देने की स्थिति में हैं? क्या हम इस राह पर हैं? क्या हम इस राह पर थोड़ा भी आगे बढ़े हैं?

पिछले दो दशकों में भारत में शिक्षा का विस्तार अभूतपूर्व रहा है। अगर मैं हमारे प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए उस वक्तव्य को याद न भी करूँ जिसमें उन्होंने देश में हर रोज नए कॉलेज और हर सप्ताह नया विश्वविद्यालय खुलने की बात कही थी, यह एक यथार्थ है कि छोटे कस्बों तक कॉलेज पहुँच गए हैं, विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है और हर साल लाखों छात्र वहां से डिग्रियाँ लेकर निकल रहे हैं। यह संख्यात्मक विस्तार हमें आह्लादित करता है। लेकिन इस विस्तार के साथ एक विचित्र विडंबना भी पैदा हुई है-डिग्रियों की संख्या तो बढ़ी है, पर उन डिग्रियों की गुणवत्ता प्रश्नों के घेर में कैद है। जब भी दुनिया के श्रेष्ठ शैक्षिक संस्थानों की कोई सूची निकलती है, हम उस सूची में अपने देश के संस्थानों के नाम ढूँढ़ते रह जाते हैं। और चलिए कोई बात नहीं कि हमारे शैक्षिक संस्थान दुनिया के श्रेष्ठराम में शुभार नहीं हैं, दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इनमें से अधिकांश बदहाली के दौर से गुजर रहे हैं। इनके पास न तो पर्याप्त शिक्षक हैं, न पुस्तकालय और न ऐसा सोच जो इनमें दी जा रही शिक्षा को प्रासंगिक बनाए रखे और यहां से डिग्री पाकर बाहर निकलने वाले युवाओं को रोजगार दिला सके। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत के लगभग इक्यावन प्रतिशत स्नातक ही रोजगार पाने की काबिलियत रखते हैं। मतलब बहुत साफ़ है। हमारे करीब आधे स्नातक तो रोजगार पाने के काबिल ही नहीं हैं। कोड में खाब यह कि रोजगार के अवसरों को दुनिया भी अपेक्षित तेजी से नहीं फैली है। परिणाम यह कि आज भारत में लाखों ऐसे युवा हैं जिनके पास डिग्री तो है, पर नौकरी नहीं है। और न वे इस काबिल है कि कोई उन्हें नौकरी दे। यह स्थिति केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह एक सामाजिक मनोदश भी पैदा करती है।

जब पढ़ा-लिखा युवा अपने भविष्य को अनिश्चित देखता है, तो उसके भीतर धीरे-धीरे एक मौन असंतोष जमा होने लगता है। इस असंतोष का एक अनोखा दृश्य देश के प्रतियोगी परीक्षा केंद्रों में दिखाई देता है। रेलवे, बैंक, राज् सेवा, केंद्रीय सेवा-हर परीक्षा में लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं। एक पद के लिए सैकड़ों या हजारों उम्मीदवारों की भीड़ खड़ी रहती है।

तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए कुछ नई राहें भी खोली हैं। कई युवा उद्यमियों ने अपनी कल्पना और साहस से नए उद्योग खड़े किए हैं। भारत जैसे विशाल समाज में करोड़ों युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने के लिए इससे कहीं व्यापक और गहरी व्यवस्था की आवश्यकता है। हमारे युवा अभी भी कामकाज के नए क्षेत्रों से अनभिज्ञ हैं।

का मुखर्जी नगर-आज ऐसे युवाओं की प्रतीक्षा और परिश्रम के अजीब मिश्रण से भरें हुए है। उनकी ज़िंदगी का सबसे ऊर्जावान समय एक अनिश्चित प्रतीक्षा में गुजर जाता है।

इस पूरी कहानी में एक नया अध्याय डिजिटल क्रांति ने जोड़ दिया है। आज का युवा पहले की किसी भी पीढ़ी से अधिक जागरूक है। उसके हाथ में स्मार्टफोन है और उसकी आँखों के सामने पूरी दुनिया है। वह देखता है कि दुनिया के दूसरे देशों में उसके समकालीन किस तरह अवसर पा रहे हैं, किस तरह अपने सपनों को आकार दे रहे हैं। यह तुलना स्वाभाविक रूप से आकांक्षाएँ बढ़ाती है। लेकिन जब आकांक्षाएँ तेजी से बढ़ें और अवसर धीमी गति से आएँ, तो बेचैनी पैदा होना लगभग अपरिहार्य हो जाता है।

राजनैति में भी युवाओं का नाम बहुत लिया जाता है। छात्र संघ चुनावों को युवाओं के लिए राजनीति के प्रवेश द्वार के रूप में प्रचारित किया जाता है। हर चुनाव में यह घोषणा सुनाई देती है कि युवा देश का भविष्य हैं। लेकिन यह भविष्य अक्सर भाषणों में ही दिखाई देता है। निर्णय लेने की वास्तविक संस्थाओं में युवाओं की भागीदारी भी सीमित ही है। युवाओं की ऊर्जा का उपयोग अधिकतर चुनावी प्रचार, सोशल मीडिया अभियानों या नारेबाजी में दिखाई देता है।

लेकिन यह भी सच है कि पूरी तस्वीर निराशा से भरी नहीं है। तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए कुछ नई राहें भी खोली हैं। कई युवा उद्यमियों ने अपनी कल्पना और साहस से नए उद्योग खड़े किए हैं। लेकिन यह भी सच है कि ऐसे अवसर अभी भी सीमित दायरे में केंद्रित हैं। भारत जैसे विशाल समाज में करोड़ों युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने के लिए इससे कहीं व्यापक और गहरी व्यवस्था की आवश्यकता है। हमारे युवा अभी भी कामकाज के नए क्षेत्रों से अनभिज्ञ हैं। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों का पनपना यह बताता है कि युवा अभी भी मैट्रिकल और इंजीनियरिंग से आगे नहीं सोच पा रहे हैं। पां-बाप के सपने भी सीमित हैं। हम ऐसा कोई तंत्र विकसित नहीं कर पाए हैं जो युवाओं को यह बता सके कि उनके सामने रोजगार के अपरिमित मौके हैं, बशर्ते वे उसके लिए तैयार हों।

तो फिर सवाल वहीं है कि क्या भारत अपनी युवा आबादी को केवल एक सांख्यिकीय उपलब्ध्य मानकर संतुष्ट हो जाएगा, या उसे एक रचनात्मक शक्ति में बदलने का साहस करेगा? इसके लिए सबसे पहले शिक्षा को डिग्री उत्पादन की फैक्टरी बनने से रोकना होगा और उसे कौशल, रचनात्मकता और आलोचनात्मक संस्थाओं से जोड़ना होगा। हमें प्रारम्भ से ही अपने युवाओं को इस बात के लिए तैयार करना होगा कि उन्हें अपनी आजीविका के लिए नए-नए अवसर खोजने हैं। सरकारी नौकरी हरेक को नहीं मिल सकती है।

दूसरा, रोजगार सृजन को नीति का केंद्रीय लक्ष्य बनाना होगा-केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे नहीं, बल्कि उद्योग, सेवा क्षेत्र और उद्यमिता के विस्तार के माध्यम से। सबसे अहम बात यह कि हमें अपनी प्रारम्भिक शिक्षा व्यवस्था में ही यह सोच शामिल करना होगा कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है, और आप काम कहीं भी करें, उसमें निष्ठा और दक्षता जरूरी है। जब तक समाज में श्रम की महत्ता स्थापित नहीं होगी, हमारी समस्या बनी रहेगी।

और तीसरा, युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक मानकर प्रतीक्षा में नहीं रखा जा सकता। उन्हें वर्तमान को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी देनी होगी।

इतिहास में हर वह समाज आगे बढ़ा है जिसने अपनी युवा ऊर्जा को अवसर में बदलने की कला सीखी है।

भारत के सामने प्रश्न बहुत सीधा है, पर उसका उत्तर अत्यंत कठिन। क्या यह देश अपनी युवा शक्ति को भविष्य की सबसे बड़ी ताकत बन पाएगा,या वह अनजाने में एक बेचैन पीढ़ी तैयार कर रहा है? सच यह है कि भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी है, लेकिन वह उसकी सबसे बड़ी परीक्षा भी है। युवा केवल संख्या नहीं होते, वे सपनों, आकांक्षाओं और अधीर उम्मीदों का संसार होते हैं। यदि उन सपनों को रास्ता मिलता है तो वही पीढ़ी राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन जाती है, लेकिन यदि वे लगातार टलते रहें, तो वही ऊर्जा बेचैनी और असंतोष का रूप हो ले सकती है। इसलिए भारत के सामने असली प्रश्न जनसंख्या का नहीं, भविष्य का है-क्या यह देश अपनी युवा शक्ति को अवसर में बदलेगा, या उसे निराशा के हवाले कर देगा।

—अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)



महावीर सिंह

भारत अमेरिका के बीच व्यापार समझौता यद्यपि पूरी तरह से अभी सामने नहीं आया किंतु मोटी सहमति जो मीडिया में, भारत के वो अमरीका के संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों ने साझा की है उस पर आधारित है यह लेख।

इस ट्रेड डील का अर्थ यों समझे कि अमेरिका भारत में कौन कौन सा सामान भेज पाएगा और भारत में प्रवेश पर उन वस्तुओं पर क्या टैक्स अर्थात टैरिफ लगेगा और भारत अमेरिकी बाजार में क्या उत्पाद किन टैक्स दरों पर बेच पाएगा।

इस समझौते का कई महीनों से इंतजार था, सब को, यानी सरकार, भारतीय उत्पादकों, निर्यातकों आयातकों व दूसरे देशों को अपने अपने कारणों से इंतजार था। सरकार को भी इंतजार था और गैर सत्ता वाले राजनीतिक दलों को भी। सरकार को अपनी वाही वाही करवाने के लिए और विपक्षियों को सरकार को बखिया उधेड़ने के लिए। दूसरे देश इस बात का आंकलन करेंगे को उनके यहां के कौन कौन से उत्पादों पर भारतीय बाजार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और भारत से किस प्रकार का आयात करना मुफीद रहेगा। भारत का किसान और दिहाड़ी मजदूर भी इसका इंतजार कर रहा था कि उसके दिन सही चलेंगे या उल्टे।

प्रथम दृष्टि में सरकार के अनुसार यह भारत के पक्ष में सर्वकालिक बढ़िया डील है और अमेरिका भी वाही वाही लूट रहा है अपने देश में और मुख्यत इस बात के लिए कि अमेरिका के किसानों और कृषि उत्पादों को भारत का 140 करोड़ उपभोक्ताओं वाला बाजार बिना टैरिफ के या न के बराबर टैरिफ पर। भारत के कृषि मंत्री, वाणिज्य मंत्री व दूसरे अला लोگو का कहना है कि भारत के किसानों के हितों कोई प्रतिकूल प्रभाव न तो पड़ेगा और न पड़ने देंगे। वैसे सोचने वाली बात यह है कि इस से अलग वे कह भी क्या सकते हैं? मंत्रियों की मजबूरी होती है सरकार के फैसलों का ढोल बजाना।

आजो कुछ मोटी मोटी बातों पर विचार करें। इस डील की भारतीय उद्योग संघ, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्रीज यानी फिक्की में प्रतिक्रियाएं दी है । फिक्की के अनुसार शुल्क कम होंगे, रेगुलेटरी अड़चन कम होंगी, नए

अवसर खुलेंगे। उद्योग संघ का कहना है इस डील में नीतिगत तालमेल, नियम आधारित व्यापार के प्रति साझा प्रतिबद्धता है और विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। अधिकतर व्यापारिक व औद्योगिक संगठनों के द्वारा ऐसी प्रतिक्रियाएं देना आम बात है। आम लोग कहते है, इन संगठनों के पास ज्यादा कुछ कहने को कोई फ्रीडम भी नहीं होती। लेकिन यह बात भी सही है कि यह संगठन लगातार सरकार की नीतियों और व्यापार उद्योग पर उनके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों की समीक्षा करते रहते है। इनके पास विस्तृत रूप से अनुसंधान करते रहने के लिए सारी आधारभूत सुविधाएं होती है। सरकारें इन की बातों पर ध्यान देती है क्योंकि अन्य और महत्वपूर्ण कारणों के अतिरिक्त सरकार से इनके डेटा आधारित वातालाप के कारण भी।

किसानों व मजदूरों के कोई इस प्रकार के सशक्त संगठन नहीं जो लगातार सरकारी नीतियों पर विचार-विमर्श, अनुसंधान करके सरकारों को सावचेत करते रहें कि क्या उनके हित में, क्या अहित में है।

मैंने एक फार्मा सेक्टर के सेवा निवृत्त अधिकारी से यह जानना चाह कि अमेरिका में निर्यात होने वाली दवाओं पर 0 टैरिफ से इस सेक्टर को तो बहुत लाभ होगा। उनका कथन था यूएसए का फार्म सेक्टर पूर्णतः तबाह है, अमेरिका की मजबूरी है 0 टैरिफ पर भारतीय दवाइयों का आयात करना।अब भी 0 तारीफ पर ही आयात कर रहा है।कुछ समय के लिए कुछ डंडा दिखाने का प्रयास किया था किंतु चला नहीं। इसलिए इसमें कोई वाही वाही वाली बात नहीं है। ज्वेलरी व कीमती स्टॉस के बड़े व्यापारी से भी पूछा कि आप लोगों को तो बल्ले बल्ले है इस नई डील में।

उनका कहना था वैसे तो अधिकतर बड़े निर्यातकों ने 25 –50 प्रतिशत टैरिफ की काट निकाल ली थी। अपने दमपर ऐसे देशों में जहां पर इन चीजों पर कम शुल्क था, वहां स्थापित कर लिए थे और वहां से यूएसए में सामान भेजने पर, टैरिफ का असर बहुत कम हो जाता था। अब सब काम जोरी टेक्स पर यहीं से 100 प्रतिशत सही-सही होगा। फिर कुछ, रिलीफ तो है ही। और बहुत से आइटम है जिन पर 25-50 प्रतिशत के बजाए 18 प्रतिशत टैरिफ लगने से सुविधा तो होगी जैसे चमड़े का सामान, रेडीमेड कपड़े, आदि उद्योगों, व्यापारियों को।इन सेक्टर्स में कुछ रोजगार को पहले कम हुए, पुनः खुल सकते है।

आइए, अब जरा कृषि सेक्टर पर भी बात कर लें।

भारत सरकार की अब तक की नीति रही है कि भारत के कृषि सेक्टर को निर्बाध आयात के लिए नहीं खोला जाएगा।यद्यपि 18 अगस्त 2025 से 31 दिसंबर 2025 को समयवाधि में अमेरिकन कपास को 0 प्रतिशत आयात शुल्क पर भारत में आने की

■ इस समझौते से भारतीय कृषि उत्पादों (जैसे मसाले, चाय, कॉफी, नारियल तेल) पर अमेरिकी टैरिफ कम होगा, जिससे कुछ, अत्यंत सीमित संख्या में, किसानों को फायदा हो सकता है। यद्यपि सरकार दवा कर रही है कि आयात कोटा आधारित होगा अर्थात केवल एक निश्चित मात्रा तक ही आयात होगा

इजाजत इस डील से पहले दी थी किंतु अब इस डील से पहले वाला टैरिफ 11 प्रतिशत भारत वसूल कर रहा था।

इस नई डील से अमेरिकन लंबे रेशे वाली कपास की एक निश्चित मात्रा में अत्यंत कम अथवा जीरो इयूटी पर आयात की संभावना है। इसका भारतीय कपास के बाजार मूल्य पर क्या प्रतिकूल प्रभाव होगा,यह आने वाला समय बताएगा किंतु सोचने वाली बात यह भी है कि क्या लंबी अवधि में भारतीय कपास का यह अमेरिकन कपास का स्थान तो नहीं ले लेगा?

आमतौर पर यह माना जा रहा है कि वस्त्र उद्योग जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है,उस पर निश्चित ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि यूएस-बांग्लादेश डील में कुछ टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स (खासकर यूएस कॉटन से बने) पर जोरो या बहुत कम टैरिफ है और भारत पर 18 प्रतिशत टैरिफ रह गया। इससे 100 प्रतिशत कॉटन प्रोडक्ट्स में भारत की प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ सकती है।बांग्लादेश अब न्यूनतम टैरिफ पर यूएस कॉटन इपोर्ट करके सस्ते प्रोडक्ट्स बना सकता है, जिससे भारतीय कॉटन यार्न एक्सपोर्टर्स (बांग्लादेश को) घट सकते हैं।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के अनुसार अमेरिकी सोयाबीन तेल पर भारत आयात शुल्क (टैरिफ) को पूरी तरह खत्म या कम करने पर सहमत हुआ है। इस समझौते से भारत में सोयाबीन तेल जीरो प्रतिशत इयूटी पर भारत में आ सकेगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है और सोयाबीन तेल इसका बड़ा हिस्सा है। इसका प्रभाव नकारात्मक और सकारात्मक दोनों हो सकते है । वर्तमान में क्रूड सोयाबीन तेल पर 16.5 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक इयूटी है । समझौते में इसे जीरो या कम करने की बात है।सरकारी कहना है कि यह आयात टैरिफ-रैट कोटा (टीआरएक्व) के तहत होगा, यानी एक निश्चित मात्रा तक ही छूट होगी, उसके बाद नॉर्मल इयूटी।

सोयाबीन तेल को समझौते में शामिल करने से अमेरिकी किसानों को तो निश्चित ही फायदा है लेकिन भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। 2024-25 में अमेरिकी सोयाबीन तेल निर्यात में 3०4 प्रतिशत वृद्धि हुई है। समझौते से यह और बढ़ेगा, जो घरेलू उत्पादन को प्रभावित करेगा।

भारत के बाजार में सोयाबीन के भाव गिर सकते है। इस दृष्टि से किसानों पर सकारात्मक प्रभाव सीमित है और

नुकसान की भी संभावना है।

सरकारी मानना है कि इस से उपभोक्ताओं और इंडस्ट्री को फायदा, अप्रत्यक्ष रूप से किसानों को भी। सस्ता आयातित सोयाबीन तेल से खाद्य तेल की कीमतें कम होंगी। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स इंडस्ट्री को सस्ता कच्चा माल मिल सकता है, रोजगार बढ़ा सकता है।

समझौते में पोल्ट्री और पशुपालन सेक्टर से संबंधी बातों में, अमरीका को डीडोजीएस (डिस्टिलर्स ड्राइ ग्रेन्स) और ज्वार जैसे पशु चारे पर भी 0 प्रतिशत अथवा कम टैरिफ पर निर्यात की छूट मिलनी है । माना कि अगर सस्ते पशु आहार से पशुपालन सस्ता होता है, तो डेयरी किसानों को फायदा हो सकता है। सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचा सोया मील पशुओं के लिए,मुर्गी पालन के लिए, फिशरीज के लिए अत्यंत पौष्टिक फीड माना जाता है।इस से सोयाबीन किसान को सोय मील बेचने का वैकल्पिक बाजार मिल सकता है, ऐसा सरकारी दृष्टि कोण है किंतु किसान जानते है यह सोया मील फैक्टरी वाला ही बेचता है। किसान को शायद इस से कोई फायदा हो, ऐसा मेरा मानना है।

अमेरिका में सोयाबीन मुख्य रूप से जीएम है, और किसान संगठनों का कहना है कि आयात से जीएम उत्पाद भारत में घुस सकते हैं, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिम है। भारत में जीएम फसलों पर प्रतिबंध है।

इस समझौते से भारतीय कृषि उत्पादों (जैसे मसाले, चाय, कॉफी, नारियल तेल) पर अमेरिकी टैरिफ कम होगा, जिससे कुछ, अत्यंत सीमित संख्या में, किसानों को फायदा हो सकता है। यद्यपि सरकार दवा कर रही है कि आयात कोटा आधारित होगा अर्थात केवल एक निश्चित मात्रा तक ही आयात होगा। कोई भी आइटम जो भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचाए, वह समझौते में शामिल नहीं है। संवेदनशील उत्पादों जैसे डेयरी, मांस, मक्का, सोयाबीन (पूरा बीज), जीएम फसलें पर कोई छूट नहीं। सरकार का दावा है कि कृषि, डेयरी आदि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से किसानों को फायदा होगा। किंतु यदि इनका अनलिमिटेड आयात होगा है तो किसानों को फसलें बदलनी पड़ सकती है। नुकसान भी होगा।

आरएसएस से जुड़े भारतीय किसान संघ (बीकेएस), एसकेएम, ऑल इंडिया किसान सभा ने विरोध किया। उनके अनुसार यह समझौता “अमेरिकी दबाव में आत्मसमर्पण”

है, और लाखों किसानों को आजीविका खतरे में है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने इसे ‘धोखा’ कहा, और कहा कि यह सोयाबीन, मक्का, कपास आदि पर प्रभाव डालेगा। पहले से ही कम एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और बाजार अस्थिरता से परेशान किसान ओर प्रभावित होंगे।

कुल मिलाकर नकारात्मक प्रभाव ज्यादा लगते हैं, क्योंकि बढ़ते आयात से भारत में कृषि उत्पादों की कीमतें गिर सकती हैं। किसानों की आय प्रभावित होगी। लेकिन अगर सख्ती से लागू होता है, तो नुकसान सीमित रह सकता है। सरकार को बढ़ाने, फसल विविधीकरण और किसान सहायता की जरूरत होगी।

ओर आइए इस डील के उन भागों पर थोड़ी चर्चा करेंलें जो बेहद आपत्ति जनक लगते है ---गत वर्ष तक भारत की वस्तुओं का अमेरिका में टैरिफ 3.3 प्रतिशत था यूएस ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया और अब कुछ शर्तों के साथ 18 प्रतिशत कर दिया !

यह कि भारत उस से तेल नहीं खरीदेगा, यद्यपि अभी सरकार की ओर से स्पष्टता का अभाव है।अमेरिका को यह अधिकार कैसे हो सकता कि वह यह तय करे के भारत किस से क्या खरीदेगा और किस से नहीं???? आज रुस, कल कोई और देश के लिए, अन्य किसी वस्तु के लिए ऐसा फरमान जारी होने का क्या अर्थ समझें?? रुस और ईरान से तेल नहीं खरीदने का अर्थ मोटे तौर पर 1 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार!!!!!!

यह कि अमेरिका के एक मंत्रियों अधिकारियों का समूह लगातार यह समीक्षा करेगा कि भारत समझौते का पालना कर रहा है या नहीं?? माना यह अधिकार है किसी भी देश को है कि वह अपने देश हित में समझौतों की सही सही पालना सुनिश्चित करवे किंतु किसी समझौते में लिखना कोई उचित नहीं।यह एक धमकी जैसा है, किसी भी समय कोई भी आधार बनाकर डील निरस्त करने और मन मर्जी के टैरिफ फिर लगाने की।

ओर यह भी कि सामान्यत इस प्रकार की ज्वाइंट घोषणाएं दो देशों के मंत्री या आला अधिकारियों की उपस्थिति में होते है। इसकी घोषणा पहले यूएसए ने की फिर भारत के वाणिज्य मंत्री में प्रेस कॉंफ्रेंस में इसके बारे में बताया। ऐसा कम ही सुना गया था, होंगे इसके भी कारण सरकार के पास। खैर हर आदमी की अपनी अपनी सोच किंतु यह जो कि भारत द्वारा किया से क्या खरीदा जाएगा, क्या नहीं, इसका फैसला दूसरा देश लेगा तो यह हमारी संप्रभुता पर सीधा सीधा प्रहार है। नव उपनिवेशवाद शुरू, नहीं???

—महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

“हे विश्व के मानवों ! राष्ट्रवादी और फासिस्ट दृष्टिकोण के शासकों से सावधान !!”



मदन सिंह काला

वर्तमान युग वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी का है। पुराने वैज्ञानिक अनुसंधान गलत सिद्ध हो रहे हैं और नित नये अनुसंधान हो रहे हैं। आदमी की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मानव मस्तिष्क प्राकृतिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यथा हवा, पानी आदि भौतिक संसाधनों के उपयोग की दिशा में तेजी से चौकाने वाले अनुसंधान करने में संलग्न है।

राजनैतिक लोग अपने ही राष्ट्र को महान सिद्ध करने के सिद्धांत राष्ट्रवाद के नाम पर अपने लोगों को राष्ट्र पर न्यौछावर कर देने का माहौल बनाते हैं। इस हेतु वे प्राचीन वैश्विक विधाओं यथा युद्ध, धर्म और बीमारी से उत्पन्न परिस्थितियों में अपने राष्ट्र को श्रेष्ठतम सिद्ध करने के वक्तव्य देते हैं। जनता को राष्ट्रवाद की आग में झोंककर अपने व्यक्तिगत हितों को साधने का प्रयास करते हैं। जबकि वर्तमान वैज्ञानिक युग में हम आमजनों को यह समझ आ जाना चाहिए कि यह दुनिया इस तरह की क्यों बनी हुई है।

युद्ध शांति के बारे में नहीं है – यह एक व्यवसाय है। सरकारें इस हेतु भारी मात्रा में जनता से वसुले टेक्स के धन का दुरुपयोग करते हैं। युद्ध सामग्री अनेक देशों की कंपनियां सप्लाई करती हैं। मीडिया युद्ध भेरी बजाकर शांतिप्रिय जनता को भी जोश में ले आता है। और युद्ध में राष्ट्रवाद के नाम पर सैनिक मारे जाते हैं। लड़कू देशों की कंपनियों को भारी आर्थिक लाभ

होता है जबकि देश खून से लथपथ हो रहा होता है। इस प्रकार हर युद्ध शासनाधिकारियों के लिए एक लाभकारी अवसर बन जाता है।

धर्म हमेशा गाँड के बारे में नहीं होता है। इसके द्वारा डर पैदा किया जाकर लोगों को मानसिक रोगी बनाया जाता है। उन मानसिक रोगियों से जीवन की सुखद एवं सुरक्षित बनाने का चमत्कार गठित करवाने का स्वप्न दिखाकर, जीवन भर दवाइयाँ लेता रहे और उनका व्यवसाय पनपता रहे। पहले वे आमजन को बीमारी के निवापनों के माध्यम से डर बेचते है और फिर वे दवाई के रूप में राहत बेचते हैं। फार्मास्यूटिकल कंपनियां बीमारियों का इलाज दूँदने के बजाए उन्हें मैनैज करने को दवाइयों से ज्यादा पैसा कमाती है। अब हेल्थकेयर एक मार्केटप्लेस है। और आम बीमार उनका कस्टमर हैं।

इस प्रकार से अब हम यह समझ सकते है कि युद्ध आमजन को डराए रखता है। धर्म आमजन को आशंका की बनाये रखता है। बीमारी आम आदमी

सर्विस सी बन गई है।

वर्तमान समय में कोई भी बीमारी क्यों न हो, स्वास्थ्य के क्षेत्र में संलग्न राजनैतिक संरक्षण प्राप्त व्यवसायियों के लिए तो रोज सोने का अंडा देने वाली मुर्गी जैसी बन जाती है। इलाज दूँदना इन व्यवसायियों के लिए लाभदायक है। उन फार्माकल वे यह नहीं चाहते कि मरीज मरें – वे बस यह चाहते है कि बीमार व्यक्ति जराएरस्थ्य होने के, जीवन भर दवाइयाँ लेता रहे और उनका व्यवसाय पनपता रहे। पहले वे आमजन को बीमारी के निवापनों के माध्यम से डर बेचते है और फिर वे दवाई के रूप में राहत बेचते हैं। फार्मास्यूटिकल कंपनियां बीमारियों का इलाज दूँदने के बजाए उन्हें मैनैज करने को दवाइयों से ज्यादा पैसा कमाती है। अब हेल्थकेयर एक मार्केटप्लेस है। और आम बीमार उनका कस्टमर हैं।

इस प्रकार से अब हम यह समझ सकते है कि युद्ध आमजन को डराए रखता है। धर्म आमजन को आशंका की बनाये रखता है। बीमारी आम आदमी को दवाइयों पर निर्भर रखती है।-राजनैताओं ने उनके संरक्षण में रहने वाले लोगों से साझेदारी का संबंध रख, इस अमानवीय अराजकता को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक विरासत और इतिहास की दुहाई का रूप दे दिया है और अब यह एक सिस्टम बन गया है। और यह ठीक वैसे ही काम कर रहा है जैसे इसे डिजाइन किया गया था।

अतः इस वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय युग में, आम आदमी को जब सब प्रकार की सूचनाएँ मिल रही है और सूचना तो वह शक्ति है, जिससे आदमी की सुपुष्ट शक्तियां जागृत हो जाती है। ऐसी परिस्थिति में आमजन को चाहिए कि वे किसी भी देश के नागरिक क्यों न हों, इस धोखेबाज सिस्टम के नकारने के लिए उपलब्ध सूचनाओं का विवेकपूर्ण उपयोग कर मानव की भलाई व सुखद जीवन के निर्माण करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। मानव ही महान है।

—मदन सिंह काला,

सेवानिवृत्त आई ए एस



पंडित अनिल शर्मा

मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
आज यमघट योग और कुमार योग सूर्योदय से सायं 4:12 तक है।
रवियोग सायं 4:12 से आरम्भ होगा। भद्र राशि 11:28 से आरम्भ होगी।
आज श्री एकनाथ षष्ठि है।
श्रेष्ठ चौघडिया: अमृत सूर्योदय से 8:15 तक, शुभ 9:42 से 11:10 तक, चर 2:05 से 3:33 तक, लाभ-अमृत 3:33 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:47, सूर्यास्त 6:28

राशिफल

सोमवार 9 मार्च, 2026

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत् 2082, विशाखा नक्षत्र सायं 4:12 तक, व्याघ्र रात योग प्रातः 7:56 तक, गर करण दिन 1०:20 तक, चन्द्रमा प्रातः 9:30 पर बुध्रिचक राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
आज यमघट योग और कुमार योग सूर्योदय से सायं 4:12 तक है।
रवियोग सायं 4:12 से आरम्भ होगा। भद्र राशि 11:28 से आरम्भ होगी।
आज श्री एकनाथ षष्ठि है।
श्रेष्ठ चौघडिया: अमृत सूर्योदय से 8:15 तक, शुभ 9:42 से 11:10 तक, चर 2:05 से 3:33 तक, लाभ-अमृत 3:33 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:47, सूर्यास्त 6:28

मे़ष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सके है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भारदीवू रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

थैलेसीमिया व कैसर जागरूकता कार रैली निकाली

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। जीतो लेडीज विंग द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर थैलेसीमिया व कैसर रोग के बचाव के लिये जागरूकता कार रैली निकाली गई। अग्रसेन विहार से शुरू रैली का विधिवत शुभारंभ जीएसटी अधिकारी शारदा यादव, डॉ मंजू राठी, डॉ दिवंदल गर्ग, डॉ देवेश गोयल व डॉ सक्शेर अग्रवाल ने किया। रैली में शामिल सौ अधिक गाडियों में कैसर व थैलेसीमिया रोग के बचाव हेतु जागरूकता पोस्टर चस्पा किये हुए थे। आर के कम्यूनिटी सेंटर में आयोज्य समापन समारोह में चेयरपर्सन नीतिका महनोत ने स्वागत भाषण दिया। डॉ देवेश गोयल ने कैसर के प्रति जागरूकता और समय पर जांच की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ सर्वेश्वर ने थैलेसीमिया की रोकथाम के बारे में जानकारी दी। संचालन को-कन्वीनर साक्षी लुहाडिया ने किया। चीफ सेक्रेटरी रीना गंगवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सुहानी पाहाडिया, सोनम जैन सहित चैप्टर चेयरपर्सन समकित पहाडिया, धर्मेन्द्र सांड ने विशेष सहयोग किया।

सार-समाचार

साक्षी जोनवाल को पैसिफिक यूनिवर्सिटी से पीएचडी की उपाधि

अजमेर(निस)। पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (पैसिफिक यूनिवर्सिटी), उदयपुर द्वारा अजमेर की शोधार्थी साक्षी जोनवाल को सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान करने की स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने अपना शोध सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए ई-गवर्नेंस की चुनौतियां अजमेर तहसील का एक अध्ययन विषय पर चुनी किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार साक्षी जोनवाल का मौखिक परीक्षण 25 फरवरी 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट द्वारा उनकी शोध थीसिस को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी गई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कार्यालय की ओर से 6 मार्च 2026 को साक्षी को प्रोविजनल पीएचडी प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया है। उनका यह शोध स्थानीय स्तर पर डिजिटल प्रशासन यानी ई-गवर्नेंस को लागू करने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को समझने और उनके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि साक्षी जोनवाल के पिता प्रेम जोनवाल महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। साक्षी को इस उपलब्धि पर परिवजों और परिचितों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

महिलाओ को मानसिक और शारीरिक रूप से मज़बूत रहने का संदेश

व्यावर (निस) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बैनर तले श्री कृष्णा योग मंच सुभाष उद्यान में महिला दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। नारी सम्मान के अवसर पर योग और प्रार्थना के पश्चात महिलाओं नेअपने अपने विचार रखेऔर उनके द्वारा पूर्व में दिए गए योदान की सराहना की गई। कार्यक्रम में भूतपूर्व सभापति और एडवोकेट शशि वाला सोलंकीने महिलाओं के अधिकारों पर विस्तृत रूप से समझाया और कहां की सभी बहने योग करके अपने आप को स्वस्थ रखें। विधिक सेवा प्राधिकरण से पीएलवी संजय सिंह गहलोत ने महिलाओ को मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से मज़बूत रहने के लिए जागरूक किया। प्रवक्ता प्रवीण मंगल, योग साथी डॉक्टर प्रमोद पोरवाल,योगेश शर्मा, प्रह्लाद सोनी,प्रभु सिंह पीठीआई, सत्यनारायण विजयवर्गीय, अशोक पबनानी, सीता प्रजापति, प्रिया शर्मा, कविता गुप्ता, सीता प्रजापति, सिमरन, प्रवीण विजय वर्गीय, अमृतलाल गहलोत, अभय दास, मिट्टू लाल सोनी, योगेश गुप्ता, बृजेश साहू,चंद्रशेखर सोलंकी, अंबेदास आदि सभी साथी मौजूद थे। कविता गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया और अपने विचार साझा किए।नारी सम्मान कार्यक्रम में महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और एक दूसरे का समर्थन किया।

घनश्याम अग्रवाल अध्यक्ष व पवन सचिव बने



मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। अग्रवाल कन्या पाठशाला प्रबंधन समिति के चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर घनश्याम अग्रवाल को पदीय जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष पद पर कमलकिशोर मोर, सचिव पवन अग्रवाल गौंद वाले, सहसचिव एडवोकेट महेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष पद पर गोविंद स्वरूप अग्रवाल निर्बिरोध चुने गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रो मिलापचंद जैन व सहायक निर्वाचन अधिकारी सीए रवि अग्रवाल ने बताया की चुनावी प्रक्रिया का विधिवत पालन कर चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई। समाज अध्यक्ष अमित अग्रवाल व महासचिव प्रदीप अग्रवाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर संरक्षक सज्जन कुमार कानोडिया व लक्ष्मीनारायण अग्रवाल मौजूद रहे।

भाजपा मंडल मसूदा का होली स्नेह मिलन समारोह

फूलों और गुलाल के साथ कार्यकर्ताओं ने मनाया उत्सव

मसूदा। भारतीय जनता पार्टी मंडल मसूदा द्वारा रविवार को अखाड़े वाले बालाजी मंदिर परिसर में होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ फूलों और गुलाल से होली खेली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गणपति मुनीम ने की। अपने संबोधन में उन्होंने महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को विशेष बताते हुए महिलाओं की राजनीति में बढ़ती भागीदारी और सक्रियता पर बात किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने भाजपा कार्यकर्ताओं को साफा पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि होली स्नेह मिलन जैसे कार्यक्रम आपसी प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं तथा पार्टी को संगठनबद्ध रूप से सशक्त बनाने हैं। कार्यक्रम के संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सिंह रावत ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

‘केसरगंज जैन मंदिर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब’



महोत्सव को लेकर जैन मंदिर कमेटी, केसरगंज द्वारा रविवार को प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।

तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। उन्होंने बताया कि 11 और 12 मार्च को आयोजित होने वाले आदिनाथ स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव का संचालन विधानाचार्य अविनाश भैया भोपाल के निदेशन में किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 11 मार्च को प्रातः 6.45 बजे अभिषेक एवं शांति

धारा के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसके बाद श्री आदिनाथ विधान का सामूहिक संगीतमय आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। रात्रि सवा आठ बजे भोपाल से आई मंडली द्वारा ‘सौधर्म इन्द्र सभा’ नामक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी, जो कार्यक्रम का प्रमुख

महिला दिवस पर मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता शिविर

अजमेर (निस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब अजमेर संयोजिता द्वारा वार्ड नंबर 62 में मासिक धर्म के दौरान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें नि:शुल्क सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए। क्लब की प्रेसिडेंट डॉ. भारती प्रकाश ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराना था, ताकि वे इस प्राकृतिक प्रक्रिया को लेकर जागरूक और आत्मविश्वासी बन सकें। कार्यक्रम



रोटरी क्लब अजमेर द्वारा वार्ड 62 में मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

में यशिका रांका ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान अपनाई जाने वाली स्वच्छता संबंधी सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म के समय स्वच्छता बनाए रखना न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि

इससे संक्रमण जैसी समस्याओं से भी बचाव किया जा सकता है। संगीता ब्रह्मवर ने सैनिटरी नैपकिन के सही उपयोग और उनके सुरक्षित निस्तारण के तरीकों की जानकारी दी, जबकि नम्रता ब्रह्मवर ने बालिकाओं और महिलाओं में मासिक

महिला दिवस पर अजमेर मंडल में ऑल-वुमेन स्टाफ ट्रेन का संचालन



महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों के सम्मान के लिए अजमेर मंडल में एक विशेष पहल की गई।

कल्याण संगठन की अध्यक्षा रिकल भूतडा ने अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह पर पहुंचकर महिला

■ अजमेर-मारवाड़ खंड पर एक्सप्रेस ट्रेन पूरी तरह महिला कर्मियों ने चलाई

के साथ-साथ समाज को प्रेरणा देने का कार्य करते हैं। ट्रेन का संचालन लोको पायलट सुनैना तंवर, सहायक लोको पायलट प्रीति सुनादिया, ट्रेन मैनेजर माधुरी जोशी, चेकिंग स्टाफ दीपमाला परमार, प्रीति पारीक, हिमांशी सांखला तथा रेलवे सुरक्षा बल की सब इंस्पेक्टर चंचल शेखावत, हेड कॉन्स्टेबल सुशीला और कॉन्स्टेबल पूनम व रीना ने सफलतापूर्वक किया।

मुनिसुव्रतनाथ भगवान के पंचामृत अभिषेक किया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुनिसुव्रतनाथ मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये। जैन समाज की महिलाओं द्वारा मुनिसुव्रतनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक व शांतिधारा की गई। पंचायत उपमंत्री राजेश पांड्या व गौरव पाटनी ने बताया कि मुनिसुव्रतनाथ भगवान के जल, नारियल पानी, शर्करा, संतरारस, मोसमी रस, दूध दही भी केसर पुष्प, सरोज सर्व औषधि से पंचामृत अभिषेक कर श्रीजी के मस्तक पर विश्व के उत्थान, शांति के लिए शांतिधारा की।

13 से 25 मार्च तक धूमधाम से मनाया जाएगा चेटीचंड पखवाड़ा महोत्सव



चेटीचंड पखवाड़ा महोत्सव को लेकर समिति मेम्बर्ों की बैठक हुई।

संगेष्ठी, प्रतिभा सम्मान समारोह, टैलेंट शो, सिंधी लेडीज क्लब द्वारा नाटक, मुंडन हवन जनेऊ संस्कार, पंचांग टिपिणी विमोचन, सिंधी व्यंजन प्रतिपिणी, नृत्य और गायन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके अलावा सिन्धुरत्न सम्मान, प्रभात फेरी, चेटीचंड मिलन समारोह,

महारानी लाडी बाई मातृशक्ति जुलूस, सिन्धु संस्कृति मेला तथा विद्यालयों में श्री झुलैलाल व भगवान बनो प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। समिति के महामंत्री महेंद्र कुमार तोर्षाणी ने बताया कि शहर की प्रत्येक कॉलोनी में पांच प्रतिभाओं की सम्मानित किया जाएगा। इसमें दादा

महिला खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

अजमेर (निस)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को 38वीं अंतर-महाविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण वातावरण में शुभारंभ हुआ। तीन दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध 11

महाविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने की। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत खेलों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों और खिलाड़ियों का सर्वांगीण विकास संभव हो सके। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल

‘महिलाओं को मिले सुरक्षा व सम्मान, तो उनमें आएगी निडरता’

■ महिलाओं को किया सम्मानित, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की दिलाई शपथ

है। ऐसे में महिला दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि समाज को समानता और सम्मान का संदेश देने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। उन्होंने कहा कि हम सभी को हमेशा देने की भावना रखनी चाहिए। आप यदि किसी को कुछ देते हैं तो उसके बदले में हमें दुगुना लौटकर मिलता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि हर पुष्प की उपलब्धि के पीछे एक महिला का हाथ होता है, लेकिन जब किसी महिला या बालिका को उपलब्धि मिलती है तो उसके पीछे पूरे परिवार का हाथ होता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पूरे परिवार को जब हम यह अवसर प्रदान करते हैं, सुरक्षा प्रदान करते हैं तभी एक छोटी बच्ची के मन में साहस व निडरता का भाव आता है और वह दुनिया में कुछ भी हासिल करने की ठान सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में इतना साहस हो कि वे जो भी सोचे वो हासिल कर सके।

कार्यक्रम की शुरुआत में आईपीएस अदिति उपाध्याय ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल, सेना, व्यापार और तकनीक जैसे लगभग हर क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी हैं। इनके बावजूद समान अधिकार और अवसर की लड़ाई कई जगहों पर अब भी जारी

पुष्कर में शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ का शुभारंभ

■ प्रथम दिन भव्य कलश एवं शोभायात्रा निकली

हाई लेवल ब्रिज होते हुए ब्रह्म सावित्री वेद विद्यापीठ स्थित यज्ञ स्थल पहुंची, जहां कलश स्थापना की गई। प्रखर परंपकार मिशन ट्रस्ट और विप्र फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह महायज्ञ 19 अप्रैल तक चलेगा।

आयोजन के लिए 200 यज्ञकुंड बनाए गए हैं, जहां देशभर से आए 200 यजमान देवी प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां देना।महायज्ञ स्थल पर प्रतिदिन करीब 2000 विप्र साधक सामूहिक रूप से संध्या-वंदन करते हुए गायत्री मंत्र का जाप करेंगे। पूरे आयोजन के दौरान लगभग 27 करोड़ गायत्री मंत्रों के जाप का संकल्प लिया गया है, जिसे विश्व शांति और मानव कल्याण के उद्देश्य से समर्पित किया गया है। महायज्ञ स्थल पर रविवार को प्रात भी मुंडन, शिखा धारण एवं स्नान आदि के बाद यज्ञोपवीत संस्कार के साथ प्रार्थना और संकल्प काव्याया गया।

8.83 करोड़ की लागत से संवरेगा जयपुर रोड

अजमेर, (निस)। राजस्थान बजट 2025-26 की घोषणा के तहत अजमेर शहर को स्मार्ट और आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को रोडवेज बस स्टैंड के पास जयपुर रोड पर शहर के मुख्य प्रवेश द्वार से अंबेडकर सर्किल तक होने वाले सौंदर्यीकरण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। इस परियोजना पर कुल 8.83 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शिलान्यास कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि जयपुर रोड पर पहले से ही करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया जा रहा है और अब करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से मार्ग के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। इस प्रकार लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से यह पूरा क्षेत्र विकसित होगा और शहर के प्रमुख प्रवेश मार्ग को नया स्वरूप

मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत सड़क सुधार, चौराहों का विकास और विभिन्न सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे। प्रवेश द्वार से लेकर अंबेडकर सर्किल तक के मार्ग को मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जाएगा।

खोया/पाया

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की गोटा कामगार कॉलोनी के समीप एम पी नगर योजना में स्थित भूखंड संख्या 36 का कुल क्षेत्रफल 135 वर्ग मी. का मूल पट्टा मुख पट्टा धारक हेमन्त कुमार पुत्र कबीर दास निवासी 9, गली नं. 2, रथाम नगर, फ़ावसागर रोड, अजमेर को दिनांक 10.03.2013 को प्राधिकरण द्वारा आवंटित हुआ था, जो उप पंजीयक कार्यालय अजमेर प्रथम अजमेर में मेरे द्वारा दिनांक 10.04.2013 को पंजीकृत करवाया गया था का मूल पट्टा अजमेर में कही खो गया है, की अनुमति रिपोर्ट दिनांक 24.02.2026 को दर्ज कराई हुई है, जिसका एल. आर. नं. 3064694/2026 है, जिस किसी को भी मेरा मूल पट्टा प्राप्त हो तो मुझ शीमान हेमन्त कुमार पुत्र कबीर दास निवासी 9, गली नं. 2, रथाम नगर, फ़ावसागर रोड, अजमेर की भौ. नं. 9413780467 पर सूचना दे ।

आम सूचना

हमारी फर्म मैसर्स जैन माईन्स एण्ड मिनेरल्स प्रुक्क व्यवसायिक स्थान F-396, 397 पर्वीवरण रोड, रैथो इंडस्ट्रियल एरिया मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर, राजस्थान 305801 में पंजीयन क्रमांक R.F./A/J/M/2018/620 पर पंजीकृत भूमीदारी कर्म है।उक्त कर्म में (1) तक्षश कुमार जैन पुत्र दीनाराम निवासी जयपुर (2) प्रवेश जैन पुत्र भी सुमेर चंद सेठी निवासी किशनगढ़ साहोदर थे ।उक्त साहोदरों में सभी भागीदारों की सहमति से (1) छोट्ट राम पुत्र श्री मंगूराम निवासी नागौर को दिनांक 12 करवी 2020 ने नया साहोदर शामिल किया गया है। तथा सभी साहोदरों की सहमति से मुख्य व्यवसायिक स्थान C/O तक्षज जैन पुत्र पवनराज जैन 468 विनायक नगर मदनगंज-किशनगढ़, अजमेर, राजस्थान 305801 पर बदलते का निर्णय लिया है, तथा अन्य व्यवसायिक स्थान राम प्रह्लाद, हरीशर्त देवली, जिला दौड, राजस्थान 304507 पर बदलने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार हितैष्य भी निष्पादित किया जा चुका है। अतः -हः आम व खास को इस आम सूचना के जरिये सूचित करते है कि यदि उक्त भागीदारी के सूचना में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो आवश्यक रस्तावेजों के साथ 7 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ़ कर्मांश, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र अजमेर में प्रस्तुत करें। वरद विवाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

चूरू में मुख्यमंत्री भजनलाल ने वीरांगनाओं और पूर्व सैनिकों का सम्मान किया

सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा गौरव सेनानी समारोह का आयोजन हुआ

चूरू/जयपुर। चूरू जिला मुख्यालय पर सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा रविवार को जिला स्टेडियम में गौरव सेनानी समारोह का आयोजन किया गया। आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां गांवों में कोई न कोई ऐसा परिवार है जिसने सेना की वर्दी पहनी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे आजीवन राष्ट्र हित और समाजहित के लिए निरन्तर कार्य करते हैं। उनका त्याग और बलिदान से पूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को चूरू के जिला खेल स्टेडियम में आयोजित गौरव सेनानी समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि चूरू और शेखावाटी की धरती ने देश प्रेम के भाव को सदैव जीवंत रखा है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह, मेजर शैतान सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ जैसे वीर सपूतों ने राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चूरू के जिला खेल स्टेडियम का नाम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अदभुत साहस का प्रदर्शन करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर रखे जाने की घोषणा भी की।

समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के वीरों ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभायी है। सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा राजस्थान



गौरव सेनानी सम्मान समारोह में सीएम भजनलाल शर्मा ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया।

से लगती है। यहां का हर नागरिक सेना के प्रति समर्पण की भावना रखता है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह व सगतसिंह का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। देश की आजादी से पहले ही चूरू के धर्मस्तूप पर यहां के वीरों ने तिरंगा फहराकर आजादी के आंदोलन में रोशन किया था। उन्होंने कहा कि अब नया भारत आत्मनिर्भर भारत बना है। उन्होंने महिला दिवस पर वीर नारियों व वीरांगनाओं को शुभकामनाएं दी।

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बताया कि समारोह में 7 हजार पूर्व सैनिक, वीर नारी व वीरांगनाओं ने भाग लिया। समारोह में पूर्व सैनिकों से प्राप्त 1700 समस्याओं

का शत प्रतिशत समाधान किया गया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों को देश का अतीत बताते हुए कहा कि देश की नींव इन्हीं के पसीने से रखी गई है। ऑपरेशन सिंदूर में भी देनका अमूल्य योगदान रहा है। देश की सेना में राजस्थान का 10 प्रतिशत सैनिकों का योगदान है। चूरू के 89 वीर सपूतों ने अपनी जान की आहुतियां दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत सैनिक कल्याण कॉम्प्लेक्स का चरणबद्ध निर्माण कर रही है। प्रथम चरण में 36 करोड़ रुपये की लागत से जोधपुर, टोंक, शेराडू और झुंझुनूं में इन

कॉम्प्लेक्स का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में मेजर शैतान सिंह कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र और झुंझुनूं में 'वीर म्यूजियम' की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिक और उनके परिवारों को सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट देने के साथ ही, नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय भी खोले जा रहे हैं। विभिन्न विभागों में रेक्सको के माध्यम से नियोजित पूर्व सैनिकों के मानदेय में

■ अब जिला खेल स्टेडियम सगत सिंह स्टेडियम के नाम से जाना जायेगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

पिछले 2 साल में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है।

सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कहा कि फौजी कभी अकेला नहीं रहता, इसी उद्देश्य को लेकर गौरव सेनानी समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह समारोह आपसी जुड़ाव और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक्स सर्विसमैन सैफण्ड लाइन ऑफ डिफेंस के रूप में कार्य करते हैं।

इस अवसर पर समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने वीर नारियों, वीरांगनाओं और भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया। सीएम शर्मा ने शिविरों का अवलोकन किया और पूर्व सैनिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, विधायक हरलाल सहायण, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, संतोष मेघवाल, वासुदेव चावला सहित अनेक भाजपा नेता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

उदयपुर में तीन भालुओं ने किसान पर हमला किया, हालत गंभीर

तीन दिन में दूसरा हमला, खेत में रखवाली करने जा रहा था किसान

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र में जंगली भालुओं का आतंक धमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार की सुबह एक और किसान इन खूंखार जानवरों के हमले का शिकार हो गया। भालुओं ने किसान के सिर, चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 8 बजे करदा क्षेत्र के नौतल की भागल गांव की है। किसान पेमाराम गमेती अपने खेत पर फसल की रखवाली करने जा रहे थे। इसी दौरान अचानक झाड़ियों से निकले तीन जंगली भालुओं के झुंड ने किसान पर हमला बोल दिया। भालुओं ने पेमाराम का शरीर बुरी तरह नोच डाला। घायल पेमाराम के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास में

■ **भालुओं ने किसान के सिर, चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला**

■ **ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालु जंगल की ओर भाग गए**

मौजूद मेरूलाल सुथार मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालु जंगल की ओर भाग गए। घायल पेमाराम को तुरंत गोंगुदा अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर किया। तीन दिनों में यह दूसरा हमला है। इससे पहले

शुक्रवार की रात रोयडा गांव में भी एक व्यक्ति पर भालुओं ने हमला कर दिया था। सूचना पर सायरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही वन विभाग के अधिकारी भरत मेघवाल भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों का फिलहाल जंगल या खेत पर अकेले नहीं जाने की सलाह दी है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात रोयडा गांव में भी भालुओं के झुंड ने प्रेम सिंह राजपूत पर हमला कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि यह क्षेत्र कुंभलगढ़ अभयारण्य से सटा हुआ है जिसके चलते जंगली भालु अक्सर जंगल से निकलकर आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं। लगातार हो रहे हमलों से इलाके के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

अज्ञात जंगली जानवर ने हमला कर 160 मवेशियों को मारा

गंगापुर सिटी, (निस्)। सहजपुर गांव में शनिवार रात एक अज्ञात जंगली जानवर के हमले में लगभग 160 भेड़ों (मवेशी) की मौत हो गई। यह घटना खूंटला सलोना ग्राम पंचायत क्षेत्र में हुई, जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

पशुपालक बनवारी बैसला और भीम सिंह गुर्जर के बाड़े में घुसकर जंगली जानवर ने इन भेड़ों की निशाना बनाया। ग्रामीणों के अनुसार, पशुपालन ही इन परिवारों की आजीविका का मुख्य

स्रोत है और इस घटना से उन्हें गंभीर आर्थिक क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और प्रशासन से शीघ्र उचित सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की। गुर्जर ने कलेक्टर से फोन पर बात कर मामले में त्वरित कार्रवाई का आग्रह भी किया। मानसिंह गुर्जर ने वन विभाग से भी इस घटना की गहन जांच करने और क्षेत्र में जंगली जानवरों की

गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की अपील की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। उनका कहना था कि पशुधन किसानों की आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित सहायता और ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

टोंक में दो पक्षों की कहासुनी के बाद पुलिस ने ड्रोन सर्वे किया

टोंक, (निस्)। पुरानी टोक क्षेत्र में हुई दो पक्षों की कहासुनी के बाद शहर में रविवार को पुलिस एक्शन मोड में नजर आई। पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया, जिसमें ऐसे घरों की चिन्हित किया

■ **सर्वे में ऐसे घरों को चिन्हित किया, जहां पत्थर रखे गए थे**

गया, जहां पत्थर रखे गए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सभी 20 मकान मालिकों को नोटिस देकर तीन दिन में छतों से पत्थर हटाने के निर्देश दिए, साथ ही ऐसा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। जानकारी के अनुसार गत छह मार्च की देर रात देशवाली मोहल्ले में कहासुनी के बाद दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने वाल्मीकि बस्ती पर पथराव किया था। वहीं दूसरे पक्ष का आरोप है कि पथराव उनकी ओर से हुआ था। हालांकि इसमें किसी को गंभीर चोट नहीं आई थी, लेकिन माहौल तनावपूर्ण हो गया था। पुलिस ने मामले में 15 लोगों से पूछताछ की है।

पुरानी टोंक थाना प्रभारी नेमीचंद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कुछ लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया था। फिलहाल मामले में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना



पुरानी टोक क्षेत्र में पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया।

प्रभारी के अनुसार रविवार को दो घंटे देशवाली मोहल्ला, वाल्मिकी मोहल्ला, निवाई दरवाजा समेत आसपास के मकानों पर ड्रोन उड़ाकर सर्वे किया गया। ड्रोन के फुटेज देखे तो उसमें 20 मकानों पर पत्थर, ईंटों के टुकड़े दिखाई दिए हैं। इसे पुलिस सभी बीस मकान मालिकों को चिन्हित कर तीन दिन में ये आपत्तिजनक सामग्री खाली करने के नोटिस दिए हैं। क्षेत्र में पुलिस जाबता तैनात है और निगरानी रखी जा रही है।

लूट की वारदात का खुलासा

बांसवाड़ा, (निस्)। पुलिस थाना आंबापुरा ने क्षेत्र में राह चलती महिला से सोने का टिकवा झपटने की वारदात का

खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर सोने का टिकवा बरामद किया। वहीं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की।

थानाधिकारी निर्भय सिंह राणावत ने बताया कि 16 फरवरी को प्रार्थिया शीला पत्नी पिन्टू उर्फ प्रेमशंकर डिंडोर ने रिपोर्ट दी थी। जिस पर प्रकरण दर्ज कर एएसआई पारचंद ने अनुसंधान प्रारंभ किया। थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गयी। इस टीम ने संतोष पुत्र प्रभु दामा निवासी खड्डवे केसरपुरा थाना आंबापुरा संदिग्ध होना पाया गया। थानाधिकारी राणावत ने बताया कि आरोपी संतोष घटना के बाद से घर से फरार चल रहा था। जिसके होली के त्यौहार पर उसके समसुराल गांव गदेड़ापाड़ा, पाड़ला थाना भूंगड़ा आने की जानकारी मिली थी।

एमडीएमए सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के दौरान मकान पर दबिश देकर अवैध एमडीएमए बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अम्बामाता थानाधिकारी मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर “ऑपरेशन त्रिनेत्र” अभियान के तहत मकान पर दबिश देकर 489 ग्राम अवैध एमडीएमए जब्त कर फरहान पुत्र अयाज मोहम्मद अंसारी निवासी गांधीनगर को पूछताछ के निर्देश दिए। फरहान ने उक्त मादक पदार्थ प्रतापगढ़ जिले के अखेपुर निवासी फजल खान से खरीदना व शहर में अलग-अलग स्थानों पर बेचना स्वीकार किया है।

करंट से व्यक्ति की मौत

छबड़ा, (निस्)। कंकरवा गांव में कृषि कार्य के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम ककरव परिवर्जों को सौंप दिया है। वहीं मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी अनुसार पप्पू गाडरी (47) निवासी कंकरवा शनिवार रात को अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। तभी वह अचानक अचेत हो गया। परिवर्जन उसे तत्काल छबड़ा चिकित्सालय लाए। यहां डॉक्टरों ने जांच उपरंत उसे मृत घोषित कर दिया।

नागौर में लोडिंग टेम्पो पलटा, शादी समारोह में जा रहे 15 लोग घायल

आवारा पशु को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद दो जनों को गंभीर हालत में रेफर किया

नागौर, (निस्)। नागौर जिले के बापोड़-बासनी रोड पर रविवार सुबह लोडिंग टेम्पो टैक्सी पलटने से 15 लोग घायल हो गए। सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए बापोड़ से नागौर आ रहे थे। बासनी पुलिस ने पहले अचानक सामने आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में टेंपो टैक्सी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तुरंत

■ **घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं**

अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इनमें से 5 घायलों को बासनी अस्पताल ले जाया गया, जबकि 10 घायलों को नागौर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के पीएमओ डॉ. आर.के. अग्रवाल ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही हॉस्पिटल स्टाफ को अलर्ट मोड पर रखा गया था। घायलों को अस्पताल पहुंचते ही तुरंत इलाज शुरू कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लाए गए 10 घायलों में से 8 को प्राथमिक उपचार के बाद सामान्य चार्ज में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं दो घायलों की हालत गंभीर होने



हादसे में हुये गंभीर घायलों का अस्पताल में चिकित्सकों ने उपचार किया।



के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हादसे में घायल सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं। वे बापोड़ से नागौर स्थित सेवा भारती संस्थान में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आ रहे थे। बासनी पुलिस ने

कुछ दूरी पहले अचानक सड़क पर आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद पलटे हुए टेम्पो टैक्सी को सड़क से हटवाया गया ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके।

कोटा स्टेशन पर लाखों के आभूषण, नकदी व सामान सहित एक गिरफ्तार

ऑपरेशन “यात्री सुरक्षा” के तहत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कार्रवाई की

कोटा, (निस्)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन “यात्री सुरक्षा” के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कोटा स्टेशन पर एक शक्ति आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी सहित 14 लाख 43 हजार 550 रुपये मूल्य का सामान बरामद किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सोरभ जैन ने बताया कि कोटा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1-ए पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति पिड्डू बैंग के साथ दिखाई दिया। संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसके बैग से एक संदिग्ध महिला पर्स बरामद हुआ। इसी दौरान रेलवे सुरक्षा बल चौकी पर लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करते हुए यह सूचना राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा के साथ साझा की गई। राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा द्वारा बताया गया कि एक महिला पर्स चोरी के मामले में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यक्ति

उक्त चोरी की घटना में शामिल पाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह (27), निवासी कोटा के रूप में हुई है। आरोपी के पास से लगभग 14,02,000 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा 41,550 रुपये नकद सहित कुल 14 लाख 43 हजार 550 रुपये की बरामदगी की गई। इस संबंध में राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थानों में छीनाझपटी, चोरी तथा शस्त्र अधिनियम से संबंधित कई प्रकरण दर्ज हैं। इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल, कोटा की टीम के निरीक्षक सुमित रघुवंशी, सहायक उपनिरीक्षक अंबेश कुमार गौतम, आरक्षक अवधेश शर्मा तथा आरक्षक सुकेश कुमार मोणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल अथवा संबंधित अधिकारियों को दें।

अज्ञात व्यक्ति की टक्कर से महिला की मौत : टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाइवे-552 पर शनिवार को 60 साल की महिला का शव लहलुहान हालत में मिला। जानकारी के अनुसार महिला शौच जाने के लिए घर से निकली थी। इस दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा घास गांव के पास स्थित हॉस्पिटल के सामने बताया जा रहा है। टोंक सदर थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि सूचना पर पहुंची थाना टीम को मृत महिला रोड किनारे लहलुहान हालत में पड़ी मिली, जिसे एंबुलेंस के सहारा से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, पोस्टमार्टम के बाद शव परिवर्जन को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक महिला धांपू देवी निवासी घांस जो शौच के लिए घर से निकली तो सड़क किनारे चलने के दौरान वे तेज गति से दौड़ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई। धांपू देवी के चार बेटे हैं, बड़ा बेटा लकवाग्रस्त है।

भीलवाड़ा में दो जगह अवैध अफीम की खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निस्)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत करेडा थाना पुलिस ने अवैध अफीम की खेती पकड़ी है। पुलिस ने ग्राम केमरी में एक खेत पर दबिश देकर 294 अफीम के पौधे और तैयार अफीम बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ज्ञत मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 लाख 33 हजार रुपये बताई जा रही है।

थानाधिकारी पुरणमल ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु गठित विशेष टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम केमरी में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा बुद्धराज व वृत्ताधिकारी आसीन्द ओमप्रकाश के सुपरविजन में टीम ने खेत पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 294 अफीम के पौधे बरामद किए, जिनका कुल वजन 16 किलो 300 ग्राम पाया गया। इसके साथ ही आरोपी के कब्जे से 103 ग्राम तैयार अफीम भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी श्याम लाल (40) पिता हेमराम भील निवासी केमरी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ



गंगापुर थाना के गांव डेलाना में अवैध अफीम की खेती पकड़ी।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से अफीम की सप्लाई और अन्य नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

ग्राम डेलाना में गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी : वहीं भीलवाड़ा जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुखबिर

की सूचना पर गांव डेलाना में दबिश देकर गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी है।

सीओ सदर आईपीएस माधव उपाध्याय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को पुखा जानकारी मिली थी कि डेलाना गांव में एक किसान ने अपने खेत में चालाकी से गेहूं की आड़ में

अफीम को रखी है। सूचना मिलते ही विशेष टीम और गंगापुर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और चिन्हित खेत पर छापेमारी की। जब पुलिस टीम खेत के बीच पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गई। गेहूं की ऊंची फसल के बीच-बीच एक लंबी क्यारी में अफीम के सैकड़ों पौधे लहलहा रहे थे। आरोपी ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए अफीम को चारों तरफ से गेहूं की फसल से ढक रखा था। पुलिस ने सभी अवैध पौधों को उखाड़कर जन्त कर लिया है और उनका वजन व गिनती की जा रही है। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर खेत मालिक की भूमिका की जांच की जा रही है।

गृह रक्षा विभाग को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर जोर

होमगार्ड्स को आधुनिक तकनीक के अनुरूप प्रशिक्षण दें, ताकि वे बदलती चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें : वी. श्रीनिवास

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विभाग के आधुनिकीकरण को राज्य सरकार की दीर्घकालीन

■ मुख्य सचिव ने विभागीय कैंडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में मौजूद विसंगतियों के समाधान तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर संतोष जताया

परिकल्पना ‘विकसित राजस्थान 2047’ के अनुरूप गति देने पर जोर दिया।मुख्य सचिव ने कहा कि होमगार्ड स्वयंसेवकों को केवल आरक्षित सहायक बल के रूप में सीमित न रखते हुए उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम और मुख्यधारा में एकीकृत सहायक बल के रूप में



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की।

विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने आपदा प्रबंधन में उनकी अग्रिम भूमिका को और सुदृढ़ करने के साथ ही जयपुर सहित प्रदेशभर में यातायात प्रबंधन में उनकी संस्थागत और परिचालनात्मक भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के अनुरूप होमगार्ड स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे बदलती चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी ढां से कार्य कर सकें।

बैठक में मुख्य सचिव ने विभाग की आईटी संरचना को मजबूत करने

तथा एचडीएमएस प्रणाली की कार्यात्मक क्षमताओं का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण और सेवा प्रबंधन में पारदर्शिता तथा दक्षता सुनिश्चित होगी और गृह रक्षा दल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था में एक विश्वसनीय एवं तकनीकी रूप से सक्षम सहायक बल के रूप में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेगा।

समीक्षा के दौरान श्रीनिवास ने विभागीय कैंडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में मौजूद विसंगतियों के समाधान

तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर तीन माह के भीतर पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी और लंबित प्रस्तावों पर निर्णय लिए जाएंगे।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत, महानिदेशक गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल, संयुक्त शासन सचिव गृह (गुप-7) सोबिला माथुर सहित निदेशालय के अधिकारी और प्रदेश के सभी जिलों के गृह रक्षा कमांडेंट उपस्थित रहे।

महिला से अभद्रता और मारपीट करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शनिवार को सिंधी कैप बस स्टैंड पर कार्रवाई करते हुए एक मनचले को गिरफ्तार किया है । आरोपी सार्वजनिक स्थान पर एक महिला मित्र को अपशब्द बोल रहा था और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया । पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा के नेतृत्व में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को ड्यूटी के दौरान यूनिट की टीम सदस्य सुमन, मुनी, ममता और शीला ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिंधी कैप थाने के सहयोग से आरोपी को दबोचा।

बीएमडब्ल्यू कार पलटने से शकुन ग्रुप के एमडी वल्लभ माहेश्वरी की मौत

जयपुर/अलवर। अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर रविवार शाम बीएमडब्ल्यू कार पलटने से शकुन ग्रुप के एमडी वल्लभ माहेश्वरी (62) की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। माहेश्वरी जयपुर से गिरिराजजी (मथुरा) जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार हादसा रविवार शाम करीब 4 बजे एक्सप्रेस-वे के चेनेज 136.8 के पास हुआ। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और बैरिकेड्स तोड़ते हुए मॉडियन में घुसकर पुलिया की दीवार से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सीमेंट के ब्लॉक तोड़ते हुए मॉडियन पर



वल्लभ माहेश्वरी

अटक गई। हादसे के बाद राहगीरों और पुलिस ने दोनों को बाहर

■ अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर रविवार शाम हुआ हादसा

निकालकर पिनान अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर के हरीश हॉस्पिटल रैंफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने वल्लभ माहेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार कार चालक को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद माहेश्वरी के शव को एंबुलेंस से जयपुर लाया गया है। वल्लभ माहेश्वरी शकुन ग्रुप की कई कंपनियों में डायरेक्टर थे।

मूर्तिकार महावीर भारती का सम्मान

जयपुर। स्वदेशी जागरण मंच, जयपुर प्रांत की ओर से आयोजित राष्ट्रीय परिषद की बैठक में विशेष उद्यमी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने न केवल आर्थिक प्रगति की, बल्कि समाज में स्वावलंबन और स्वरोजगार के नए मानक स्थापित किए हैं। इसी कड़ी में, भारती शिल्पकला के निदेशक और देश के प्रतिष्ठित मूर्तिकार महावीर भारती को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उद्यमी सम्मान से नवाजा गया।

सम्मान ग्रहण करते हुए महावीर भारती ने कहा कि मूर्तिकला केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इतिहास को सुरक्षित रखने का माध्यम है।

उन्होंने अब तक 100 से अधिक कला कर्मियों को प्रशिक्षित कर उन्हें कुशल शिल्पी बनाया है, जिससे मूर्तिकला के क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं। अष्टधातु, पंचधातु, पीतल, कांस्य और फाइबर ग्लास जैसे माध्यमों में उनकी निपुणता ने युवाओं के लिए इस क्षेत्र को एक सम्मानजनक करियर के रूप में प्रस्तुत किया है।

प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर । प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू हो चुका है। प्रदेश के 16 शहरों का दिन का पारा 37 डिग्री के पार दर्ज किया गया। पिलानी और बाड़मेर का दिन का पारा 40 पहुंच गया। 40.2 डिग्री के साथ पिलानी सबसे गर्म रहा। विशेष बात यह है कि जैसलमेर, बीकानेर और चूरू का दिन का पारा भी 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। 11-12 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों में एक नया पश्चिमी विशोभ सक्रिय होने से तापमान में हल्की गिरावट होने की संभावना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में झुलसाने वाली गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। शेखावाटी के साथ पश्चिम राजस्थान के अधिकांश शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। अजमेर, जयपुर, वनस्थली, पाली, जैसलमेर, जोधपुर, फलीदी, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, जालोर, फतेहपुर और झुंझरू का दिन का पारा 37 डिग्री के पार रहा। 22 डिग्री के साथ फलीदी की रात सबसे गर्म रही। इसके अलावा बाड़मेर, संगरिया और बीकानेर का रात का पारा 20 डिग्री के पार दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के मध्य दर्ज किए जा रहे हैं जो की सामान्य से 4 से 9 डिग्री ऊपर है।

राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री और बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। राज्य के दक्षिणी भागों में आगामी तीन दिन अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री दर्ज होने तथा 10-11 मार्च को दक्षिण-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं हीटवेव दर्ज होने की संभावना है। राज्य के शेष अधिकांश भागों में आगामी तीन-चार दिन अधिकतम तापमान सामान्य से 4-8 डिग्री ऊपर जारी रहने की प्रबल संभावना है।

3 डी प्रिंटिंग और रोबोटिक्स से बोन ट्यूमर सर्जरी पर चर्चा

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं इंडियन मस्कुलोस्केलेटल ऑर्कोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय आईएमएसओएस 2026-बीएमकॉन कॉन्फ्रेंस का समापन रविवार को सफलतापूर्वक हुआ। देश-विदेश से आए विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन हड्डियों के कैंसर से जुड़े आधुनिक उपचार, नई तकनीकों और चिकित्सकीय अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन मैलिनेंट बोन ट्यूमर-अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर विशेषज्ञों ने विस्तृत विचार साझा किए। इस सत्र में बोन कैंसर के उपचार में पिछले वर्षों में हुए बदलाव, वर्तमान में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही बोन सांकोमा के सर्जिकल मैनेजमेंट में 3-डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स और नेविगेशन तकनीक के

11 महिलाओं का सम्मान, उद्यम से जुड़ने का आव्हान

उद्योग मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया



उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में उद्यम, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया।

जयपुर (कासं)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि महिलाओं की तरक्की के लिए सामाजिक जागरूकता बेहद जरूरी है और इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई “बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ” योजना से देश में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं।

आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और वर्ष 2014 के बाद महिला सशक्तीकरण को लेकर देश में नई सोच विकसित हुई है। उद्योग मंत्री रविवार को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मान समारोह एवं परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे।

राठौड़ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। विकसित भारत-

2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में गांव और कस्बों में महिलाओं द्वारा संचालित छोटे-छोटे उद्यमों का बड़ा योगदान होगा। कार्यक्रम के दौरान उद्यम, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभाग में कार्यरत महिला कर्मिकों को भी विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

मंत्री ने एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। विभिन्न योजनाओं के तहत दो महिलाओं को ऋण के चेक, नौ महिलाओं को स्वीकृत पत्र और दो महिलाओं को राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के माध्यम से भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान एक लाइव गेम का आयोजन भी

किया गया, जिसमें विजेताओं को एक ई-साइकिल और एक स्पोर्ट्स साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में ओडीओपी नीति के अंतर्गत आईसीईएस की ‘कौशल वाहिनी-स्किल ऑन व्हील्स’ को झंडी दिखाकर शिल्पकारों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में रीको की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने स्वागत उद्घोषण दिया, जबकि राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त मनीषा अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, आयुक्त सुरेश ओला सहित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न उद्योग संगठनों की प्रतिनिधि महिलाएं भी मौजूद रहीं।

अवैध हथियार सहित युवक को दबोचा

जयपुर। सिंधी कैप थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक शांति बदमाश को धारदार कटार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध हथियारों की धरपकड़ और रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त धर्मवीर सिंह के सुपरविजन में सिंधी कैप थाना प्रभारी माधोसिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने इलाके में निगरानी रखते हुए सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए राशिद मोहम्मद (32) निवासी कोटा को धारदार कटार के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में एएसआई सुरेश कुमार,कांस्टेबल सतवीर और श्रवण कुमार की विशेष भूमिका रही।

महिला सशक्तिकरण से राजस्थान बनेगा अग्रणी राज्य : जोगाराम पटेल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय समारोह का हुआ आयोजन

जयपुर (कासं)। नारी ही प्रगति की धुरी और महिला सशक्तिकरण से राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बनेगा। यह कहना है जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। पटेल ने हरीश चंद्र भास्कर राज्य लोक प्रशासन संस्थान के भगवत सिंह सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिला ही सही अर्थों में राजस्थान को देश में अग्रणी राज्य बना सकती है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आगे बढ़ना चाहिए और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा समाज हित में किए जा रहे त्याग और समर्पण को भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रतिदिन 2 से 5 किलोमीटर तक पैदल चलकर छह वर्ष से कम आयु के बच्चों की मां के समान देखभाल करती हैं तथा किशोरियों और धात्री महिलाओं के स्वास्थ को भी ध्यान रखती हैं। उनका यह समर्पण समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को सशक्त नारी, सशस्त्र राजस्थान थीम पर जिला प्रशासन



जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित समारोह में महिलाकर्मियों को पुरस्कृत किया।

जयपुर एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रमा देवी चौपड़ा ने कहा कि हमारे राष्ट्र की प्रमुख प्रीपदी मुर्म् एक आदिवासी महिला है। उन्होंने कहा कि घर की स्वर्ग बनाने वाली भी मातृशक्ति ही है और आज महिलाएं पुरुषों

के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश और अतिरिक्त जिला कलेक्टर (उत्तर) जयपुर मुकेश कुमार मूंड, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राजेश डोगीवाल तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक पार्ष्णी शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और महिलाओं के हित में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों की प्रतिनिधि उपस्थित रहीं।

महिला दिवस पर पुलिस ने निकाला जयपुर में फ्लैग मार्च

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को छेड़छाड़ व उत्पीड़न से बचाव के लिए कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। इस अभियान के दौरान विभिन्न बस स्टैंड, पार्क और सार्वजनिक स्थानों पर राजकोपी सिटीजन ऐप के न्यूआर कोड स्टिकर लगाकर करीब 1 हजार 705



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही कई स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 7951 छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। पुलिस ने महिलाओं को ‘नीड

हेल्प’ फीचर के साथ राजकोपी सिटीजन ऐप डाउनलोड करने की जानकारी भी दी। इसके अलावा हेल्ललाइन के नंबर मोबाइल में सेव रखने की सलाह देते हुए किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।

पावटा में गैस सिलेण्डर में आग लगने से घबराई महिला ने छत से छलांग लगाई

महिला ने छह माह के बच्चे को पहले ऊपर से फेंका, नीचे खड़े लोगों ने बच्चे को सुरक्षित पकड़ लिया

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के भीमसेन चौक स्थित चौधरी भूरावल प्रभुदयाल जैन के नाम से दुकान है। दुकान के ऊपर बने मकान में शीतलाष्टमी से पहले घर में व्यंजन बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें देख घबराई महिला ने अपनी जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी। इससे पहले उसने अपने छह माह के मासूम पोते को ऊपर से नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया, जहां मौजूद दादा व लोगों ने तुरंत पकड़कर सुरक्षित बचा लिया।

अभिर्नंदन जैन ने बताया कि मेरी पत्नी हंडू जैन घर में शीतलाष्टमी के लिए व्यंजन बना रही थी। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई। आग देखकर महिला घबरा गई और अपनी जान बचाने के लिए स्थिति गंभीर देख महिला ने पहले अपने छह माह के पोते आगम जैन को नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया,



विराटनगर पालिका फायर ब्रिगेड ने ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया।

जिसे दादा अभिर्नंदन जैन व आसपास मौजूद लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद महिला ने भी ऊपर से छलांग लगा दी। घटना

के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर महिला को संभाला। वहीं सूचना पर पहुंची विराटनगर पालिका फायर ब्रिगेड द्वारा ग्रामीणों की सहायता

से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई व एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। वहीं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल भी मय टीम मौके

- शीतलाष्टमी के लिए व्यंजन बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई
- बताया जा रहा है कि महिला को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया

पर पहुंचे व घटना का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि महिला को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के दौरान इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन अग्निशमन कर्मियों व लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

चार हुक्काबारों पर दबिश

उदयपुर, (कांसू)। शहर के अम्बामाता, बड़ागांव एवं सुखेरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने चार हुक्काबारों पर दबीश देकर मौके से 26 हुक्के, हुक्का उपकरण व सामग्री जब्त कर रेस्टोरेंट मैनेजर, कैफे संचालक सहित चार व्यक्तियों को डिटैन किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अम्बामाता थानाधिकारी दलपतसिंह राठौड़ मय टीम ने हनुमानघाट स्थित ब्युमून रेस्टोरेंट पर दबीश देकर मौके से 6 हुक्के, 5 हुक्के पिलाने के पाइप, 18 फ्लेवर के डिब्बे जब्त कर मौके से शांतिलाल को डिटैन कर प्रकरण दर्ज किया। इसी अभियान के दौरान अम्बावागढ़ स्थित कृष्णबड़ हिल रेस्टोरेंट पर बदीश देकर मौके से 3 हुक्के, तीन पाइप, चार विलम व 9 फ्लेवर के डिब्बे जब्त कर मेहेन्द्र पुत्र बालकृष्ण को डिटैन कर प्रकरण दर्ज किया। वहीं बड़ागांव थानाधिकारी मय टीम ने टाईगर हिल बड़ागांव में स्थित द ग्रीम फार्म रेस्टोरेंट पर कार्रवाई करते हुए मौके से 13 हुक्के, 20 हुक्का पाइप, 30 पैकेट फ्लेवर व सिगरेट जब्त कर रेस्टोरेंट के मैनेजर निर्मल कुमार पुत्र देव्राम निवासी मेघवाल बस्ती कोसोली स्वरूपगंज सिरोही को डिटैन कर प्रकरण दर्ज किया। वहीं सुखेर थानाधिकारी व डीएसटी की टीम ने फ्रेड जोन कैफे 100 फीट रोड़ शौभागपुरा सुखेर पर कार्रवाई करते हुए 4 हुक्के, 4 हुक्का पाईप व 4 हचलम व 12 पैकेट फ्लेवर जब्त कर कैफे संचालक रामेन्द्र सिंह पुत्र प्रहलादसिंह को डिटैन कर प्रकरण दर्ज किया।

बदमाशों ने ऑटो चालक से लूटपाट की

गंगापुर सिटी, (निसं)। लालपुर-उमरी मार्ग पर शनिवार रात दो अज्ञात बदमाशों ने एक ऑटो को कड़े की नोक पर रुकवाकर लूटपाट की। बदमाशों ने ऑटो ड्राइवर का मोबाइल फोन छीन लिया और महिलाओं से भी लूट की कोशिश की। हालांकि इसी दौरान पीछे से दो बाइक सवारों के आ जाने पर बदमाश मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार मीणा पाड़ा

अगरबत्ती की फैक्टरी में लगी आग, लाखों का सामान जला



चौमूं उपखंड के सामोद स्थित डेहरा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी में आग लगने से सामान जल गया।

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखंड के सामोद स्थित डेहरा औद्योगिक क्षेत्र में रविवार शाम को एक अगरबत्ती बनाने की फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जैसे ही आग लगी फैक्टरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर धुआं फैल गया। स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। अग्निशमन के दमकलकर्मियों ने

- प्रथम दृष्टया जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है

तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में आग लगने से लाखों रुपये का सामान चलकर राख हो गया। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और

स्थानीय प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। आग लगने के कारणों का अभी तक आधिकारिक खुलासा नहीं हो पाया है। चौमूं अग्निशमन अधिकारी जय कुमार जांगिड़ ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि इसकी पुष्टि होना बाकी है। घटना स्थल पर चौमूं, जयपुर, और शाहपुरा की दमकलों से आग बुझाने का काम किया।

चूरू में राजेन्द्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया



पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सीएम भजनलाल को चूरू की प्रसिद्ध चंदन की कलाकृति भेंट की।

चूरू, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को चूरू दौरे के दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के आवास पर पहुंचे। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण के नेतृत्व में चंग बजाकर व पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राठौड़ ने सीएम को चूरू की प्रसिद्ध चंदन की कलाकृति भेंट की। अपने स्वागत से अभिभूत हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा संगठन की ताकत उसके कार्यकर्ताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि चूरू की जनता भाग्यशाली है, जहां भाजपा के कदावर नेता राजेन्द्र

राठौड़ का नेतृत्व है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि नितियां आमजन तक पहुंचायें। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को विकास की मुख्यधारा में लाने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मुख्यमंत्री बनने के बाद यह चौथा प्रवास है। उन्होंने चूरू को कृषि महाविद्यालय, एलीवेटेड रोड़, सेटेलाईट अस्पताल जैसी अनेक सुविधाएं चूरू को दी। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. वासुदेव चावला, लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, जिला महामंत्री चन्द्राराम

गुरी, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, पूर्व सभापति विजय कुमार शर्मा, पूर्व प्रधान विक्रम कोटवाड, प्रधान दीपचन्द राहड़, विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, निकिता गुर्जर ने भी मुख्यमंत्री का अभिर्नंदन किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष सुरेश साख्खरा, धर्मेन्द्र राकसिया, विजय कस्वा, निर्मल सैन, दौलतराम प्रजापत, सुव्यार सिंह, रामचन्द्र शर्मा ने मुख्यमंत्री को 31 किलो फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल, मोहन खारड़िया, जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, अजीत मेघवाल, असलम डाकर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवक गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन आग के तहत कार्रवाई करते हुए खोबोसल थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और चार चले हुए खाली कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि इलाके में अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था । रविवार को गश्त के दौरान हेड कांस्टेबल रामप्रताप गुर्जर को सूचना मिली कि नांगल जैसा बोहरा क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल पर घूम रहा है। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को डिटैन किया। पुलिस टीम ने जब युवक की तलाशी ली तो उसकी पैंट की जेब से एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामकरण मीणा पुत्र गोपाल मीणा, निवासी बिलोद (चन्दवाजी) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से वादात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली।

भीलवाड़ा पुलिस की 10 विशेष टीमों ने तीन राज्यों से 28 तस्करों को पकड़ा

राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में एक साथ दबिश देकर कार्रवाई की

भीलवाड़ा, (निसं)। नशे के खिलाफ भीलवाड़ा पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी और संगठित कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस की 10 टीमें ने राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में एक साथ दबिश देकर एनडीपीएस एक्ट में वांछित 28 इनामी अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करों और लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन के नेतृत्व में 10 विशेष टीमों का गठन

किया गया था। 18 फरवरी से शुरू हुए इस अभियान में पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और सटीक मुखबिरी के आधार पर जाल बिछाया। पुलिस टीमों ने अंतरराज्यीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए रेवत सिंह (बोकारनर), राजेश कुमार (नीमच), गोल्डी उर्फ बलकिंत सिंह (जींद, हरियाणा), बलदेव सिंह (लुधियाना), और वरुण कुमार (सिरसा, हरियाणा) जैसे कुख्यात तस्करों को दबोचा है। इसके अलावा जोधपुर, जैसलमेर, नागौर, चित्तौड़गढ़ और डीडवाना-कुचामन जिलों के वांछित अपराधी भी पकड़े गए हैं।

इस पूरे ऑपरेशन का सुपरविजन पुलिस निरीक्षक राजूराम काला द्वारा

किया गया। टीम में एसएसआई आशीष कुमार, महिपाल, नेतराम, अर्जुन सिंह, सांवरमल, धर्मेन्द्र सिंह, उमराव अली सहित सायबर सेल और तकनीकी विशेषज्ञों का विशेष योगदान रहा। गोपनीय सूचना संकलन और तकनीकी विश्लेषण के कारण ही पुलिस अपराधियों के छिपने के ठिकानों तक पहुँच सकी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिला पुलिस मादक पदार्थों की सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह अभियान अभी थमा नहीं है, बल्कि निरंतर जारी रहेगा। भविष्य में भी फरार अपराधियों और नशे के बड़े सोदागनों के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शाहपुरा : फूलडोल महोत्सव में श्रीवाणी जी की शोभायात्रा निकाली



भीलवाड़ा के पास शाहपुरा में निकले फूलडोल महोत्सव में आस्था का जन सैलाब उमड़ा। वहीं भक्तों ने श्रीवाणी जी की शोभायात्रा निकाली।

शाहपुरा, (निसं)। फूलडोल महोत्सव के तहत रविवार को धूमधाम के साथ श्रीवाणी जी की शोभायात्रा राम मेड़िया से निकाली गई। शोभायात्रा राम मेड़िया से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होते हुए रामनिवास धाम पहुंची। वहीं बारादरी में विभिन्न गांव के भक्तों की ओर से जय जयकार लगाकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में नगरवासी, भक्तजनों ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। वहीं त्रिमुर्ति चौराहे पर जिला शाहपुरा संघर्ष समिति, अधिवक्ताओं ने एवं शहरवासियों ने कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा का

- शोभायात्रा राम मेड़िया से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होते हुए रामनिवास धाम पहुंची, बारादरी में विभिन्न गांव के भक्तों ने जयकार लगाकर स्वागत किया

स्वागत किया।

जानकारी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय रामसेही संप्रदाय के आचार्य जगतगुरु रामदयाल महाराज



का अगला चातुर्मास भीलवाड़ा में होगा। रविवार पंचमी तक आठ शहरों से सोड़ा, भीलवाड़ा, मानवत महाराष्ट्र, शाहपुरा, कोटा, जयपुर, केकड़ी सहित कई स्थानों की अर्जियां लगी सभी भक्तजनों द्वारा बारादरी में विराजमान आचार्य रामदयाल महाराज के समक्ष अपने-अपने शहर में चातुर्मास करने की आवाज लगी, जिसमें आचार्य ने मुहुर्त के हिसाब से देखते हुए भीलवाड़ा में आगामी चातुर्मास करने की घोषणा की। भीलवाड़ा के भक्तजनों की गोटका प्रदान किया। स्वामी रामदयाल महाराज ने धर्मसभा में

प्रवचन में कहा कि सबको अपने जीवन में धर्म का पालन करना चाहिए, जानवर भी धर्म का पालन करते हैं, लेकिन मनुष्य कभी भी धर्म का पालन सही तरीके से नहीं करता है। वह अधर्म करता है। गीता जैसे पवित्र ग्रंथ पर हाथ रखकर शपथ लेने के बाद भी अधर्म करते हैं। स्वामी रामदयाल महाराज ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता, इसलिए सदैव धर्म का पालन करते हुए सत्य की राह पर चलना चाहिए क्योंकि अंत में सत्य की विजय श्री होती है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कोटा में निकाली साइकिल रैली

200 साइकिल सवारों ने रैली से महिला सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया

कोटा, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोटा शहर में महिला सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश देती साइकिल रैली का आयोजन किया गया। “पेडल फॉर साइकिल” और “कोटा ग्रीन कम्युनिटी” के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रैली में शहर की अनेक महिला साइकिलिस्टों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उसाहपूर्वक भाग लेकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

आयोजक हेमंत छाबरिया और प्रणव राज सिंह खींची ने बताया कि रैली महावीर नगर से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, नयापुरा पर संपन्न हुई। लगभग 200 साइकिल सवारों ने इसमें भाग लिया। रैली के दौरान महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शहर की सड़कों पर साइकिल चलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने

- रैली के दौरान महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शहर की सड़कों पर साइकिल चलाई

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाली में ऊषा बरदवा, आशिमा गोयल, प्रेम कंवर शक्तावत, ज्योत्सना खींची, नेहा शक्तावत, अचला जैना, अंशु खंडेलवाल, श्वेता जैन, ममता शर्मा, गीतिका, वंदना, एकता कश्यप तथा डॉ.अर्चना मिश्र शामिल रही। इन सभी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस की विशेष “कालिका पेट्रोलिंग यूनिट” ने भी भागीदारी की।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा ने बताया कि यह यूनिट महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को रोकथाम के लिए गठित

विशेष महिला सुरक्षा इकाई है, जो नीली वर्दी और काली स्कूटी के साथ शहर में तैनात रहती है। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में छात्राएं और महिलाएं 1090 (महिला हेल्पलाइन) या 112 पर कॉल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सदस्य आशिमा गोयल, चंद्रेश शर्मा, रितेश जैन, रामावतार सुमन, कृष्णा पराशर, मनोहर द्विवेदी और पंकज शर्मा की विशेष भूमिका रही। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को समाज में आगे बढ़ने और अपनी पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

